रॉबर्ट वानॉय , पुराने नियम का इतिहास, व्याख्यान 28

© 2012, डॉ. रॉबर्ट वानॉय और टेड हिल्डेब्रांट

याकूब का यहूदा को आशीर्वाद, यूसुफ

प्रारंभिक टिप्पणियाँ

मैंने आपको सप्ताह-दर-सप्ताह प्रगति की जो सामान्य रूपरेखा दी है, उसके अनुसार हम उससे कुछ हद तक आगे हैं जहाँ मैंने सोचा था कि इस सप्ताह हम होंगे। दूसरे शब्दों में, मैंने सोचा था कि हम इब्राहीम पर निर्भर होंगे लेकिन हम पहले से ही इसहाक और जैकब पर निर्भर हैं। तो हम काफी हद तक लाइन से नीचे हैं। और हम आज जोसेफ में चलेंगे; इससे हमें अगली तिमाही में मदद मिलेगी। इसका मतलब है कि अगली तिमाही में हमारे पास अधिक समय होगा, जो अच्छा है। इस तरह के पाठ्यक्रम में यह बताना कठिन है कि आप कितनी दूर तक जाते हैं, क्योंकि यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि वहां कितनी चर्चा और बातचीत होती है। यदि बहुत अधिक चर्चा होती है तो यह धीमा हो जाता है कि आप कितना कवर कर सकते हैं। फिर मैं चीज़ों को ख़त्म कर देता हूँ। आपके हितों का पालन करते हुए हम इस कक्षा में क्या कर सकते हैं, इसकी हमें काफी छूट है।

एफ. जैकब… 3. उत्पत्ति 32 में पेनियल में जैकब

4. उत्पत्ति 37 में जोसेफ की हानि हम 4 पर थे। एफ के तहत हमने 3 समाप्त किया। "उत्पत्ति 32 में पेनियल में जैकब।" 4. "उत्पत्ति 37 में जोसेफ की हानि" है। मैं वास्तव में उत्पत्ति 37 पर चर्चा नहीं करने जा रहा हूँ; हम इसे जोसेफ के अधीन ही उठाएंगे। लेकिन जब आप जोसेफ के जीवन के बारे में सोचते हैं तो मुझे लगता है कि इसका उल्लेख यहां करना अच्छा होगा। यूसुफ की हानि एक महत्वपूर्ण मोड़ थी क्योंकि यूसुफ मिस्र चला गया। अंततः इसका मतलब है कि याकूब का पूरा परिवार मिस्र चला गया।

5. उत्पत्ति 49 में याकूब का आशीर्वाद आइए 5 पर चलते हैं। "उत्पत्ति 49 में याकूब का आशीर्वाद।" अब उत्पत्ति 49 के पूरे अध्याय में वे आशीर्वाद शामिल हैं जो याकूब ने अपने प्रत्येक पुत्र को दिए।

यह उस चीज़ की याद दिलाता है जो नूह ने अपने बेटों के साथ किया था। याद रखें कि उसने शेम, हाम और येपेत को कुछ आशीर्वाद और श्राप दिए थे। इसहाक ने उत्पत्ति 27:27 और उसके बाद अपने पुत्रों को आशीर्वाद दिया। बेशक, जैकब ने, इससे पहले, जैसा कि हमने आखिरी कक्षा के समय में उल्लेख किया था , जोसेफ के पुत्रों- एप्रैम और मनश्शे को आशीर्वाद दिया था।

अब आशीर्वाद के उन सभी फॉर्मूलेशन के साथ, आप वास्तव में नूह की इच्छा या जैकब की इच्छा या अपने बेटों के लिए इच्छा से अधिक कुछ के बारे में बात कर रहे हैं, क्योंकि मुझे लगता है कि हमें यह कहना चाहिए कि ये आशीर्वाद वास्तव में प्रेरित घोषणाएं हैं कि वास्तव में क्या होने वाला है इसमें शामिल लोगों के वंशजों को आगे बढ़ाएं। ये आशीर्वाद भविष्य के लिए प्रोग्रामेटिक हैं; हमने देखा कि नूह के बेटों के साथ यह कैसे हुआ और उसके निहितार्थ क्या थे। वही यहां भी सच है। इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें उचित रूप से भविष्यसूचक चरित्र के रूप में समझा जाना चाहिए। मुझे लगता है कि हमें यह निष्कर्ष निकालना चाहिए कि याकूब, दैवीय रहस्योद्घाटन द्वारा, इज़राइल की प्रत्येक जनजाति के भविष्य के बारे में कुछ देखता है क्योंकि वह उत्पत्ति 49 में इन आशीर्वादों का उच्चारण करता है।

यहूदा का आशीर्वाद - जनरल 49:8-12 मैं नहीं जा रहा हूँ अध्याय को पढ़ें और इनमें से प्रत्येक घोषणा को देखें। लेकिन मैं यहूदा के लिए एक पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं, जो छंद 8-12 में है। हम वहाँ पढ़ते हैं, " यहूदा, तेरे भाई तेरी स्तुति करेंगे; तेरा हाथ तेरे शत्रुओं की गर्दन पर रहेगा; तेरे पिता के पुत्र तुझे दण्डवत् करेंगे। हे यहूदा, तू सिंह का बच्चा है; हे मेरे पुत्र, तू शिकार से लौट आ। वह सिंह की भाँति झुककर लेट जाता है, और सिंहनी की भाँति कौन उसे जगाने का साहस करता है? यहूदा के हाथ से राजदंड न छूटेगा, और न हाकिम की लाठी उसके पांवों के बीच से छूटेगी, जब तक कि वह उसके पास न आ जाए, और जाति जाति के लोग उसकी आज्ञा मानें। वह अपने गदहे को दाखलता से, और अपने बच्चे को उत्तम से उत्तम डाली से बान्धेगा; वह अपने वस्त्र दाखमधु से, और अपने वस्त्र अंगूर के रस से धोएगा। उसकी आंखें दाखमधु से अधिक गहरी और उसके दांत दूध से भी अधिक उजले होंगे।" श्लोक 10 बहुत प्रसिद्ध है और यह महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि आप आशीर्वाद के पहले भाग को देखें, तो मुझे लगता है कि हम देखते हैं कि पहला

वाक्यांश दर्शाता है कि पहलौठे का संस्कार यहूदा के साथ समाप्त होने वाला है- "तुम्हारे भाई प्रशंसा करेंगे आप।" मैं सोचता हूं कि प्रतिज्ञा की जो रेखा इब्राहीम से इसहाक के माध्यम से याकूब तक चली है, उसे अब यहूदा के साथ जारी रखा जाना चाहिए।

यहूदा के बारे में दो बातें कही गई हैं: कुछ उसके दुश्मनों के बारे में और कुछ उसके भाइयों के साथ उसके रिश्ते के बारे में। "तेरा हाथ तेरे शत्रुओं की गर्दन पर रहेगा, और तेरे पिता के पुत्र तुझे दण्डवत् करेंगे।" दूसरे शब्दों में, वह अपने शत्रुओं को अपने अधीन कर लेगा और उसके भाई उसकी श्रेष्ठता को पहचान लेंगे।

राजत्व का प्रारंभिक उल्लेख तब श्लोक 9 में उसकी महिमा को एक शेर की कल्पना में दर्शाया गया है। " हे यहूदा, तू सिंह का बच्चा है; हे मेरे पुत्र, तू शिकार से लौट आ। जैसे सिंह झुककर लेट जाता है, वा सिंहनी के समान, कौन उसे जगाने का साहस करता है? " यह वाक्यांश हमें प्रसिद्ध कथन पर लाता है, "जब तक वह जिसके पास है वह न आ जाए, तब तक न तो यहूदा से राजदंड छूटेगा, और न शासक की लाठी उसके पैरों के बीच से छूटेगी। " अब "राजदंड" एक ऐसा शब्द है जिसका प्रयोग रॉयल्टी को इंगित करने के लिए किया जाता है। यह शाही शक्ति का प्रतीक था। कथन है "राजदंड यहूदा से नहीं हटेगा।" खैर, निहितार्थ निश्चित रूप से यह है कि यहूदा के भीतर राजशाही पैदा होने वाली है। तो आपको यहां पहला स्पष्ट संकेत मिलता है कि इज़राइल में एक शाही वंश होने जा रहा है। इज़राइल में राजत्व का वह पूरा विचार बाद में एक महत्वपूर्ण बात बन जाता है। यह वास्तव में न्यायाधीशों की अवधि के बाद शमूएल के अधीन शाऊल और डेविड के समय तक स्थापित नहीं हुआ है। राजसत्ता के उदय से पहले इज़राइल लंबे समय तक भूमि पर था, लेकिन अंततः यह स्थापित हो गया। उत्पत्ति 49 में इसका अनुमान लगाया गया है। अन्य बातें बाद में बिलाम द्वारा संख्या 24 की पुस्तक में कही गई हैं जब उसने इज़राइल के भविष्य के बारे में भविष्यवाणी की थी। वह इज़राइल में राजघराने को भी देखता है। जब हम व्यवस्थाविवरण 17 पर पहुंचते हैं तो वहां राजा का एक कानून होता है, जो पहले से निर्धारित होता है। यह वर्णन करता है कि जब आपके पास कोई राजा हो तो उसे कैसे कार्य करना चाहिए। यह वास्तव में बाद तक स्थापित नहीं होता है, लेकिन राजत्व में आप उस संस्था की स्थापना करते हैं जो अंततः वह संस्था है

जो भविष्य के महान मसीहा शासक की ओर इशारा करती है जो स्वयं ईसा मसीह की ओर इशारा करती है जो पुत्र के रूप में सिंहासन पर बैठेंगे। डेविड का. इसलिए राजत्व एक महत्वपूर्ण विषय बन जाता है। इसकी पहली सूचना यहां दी गई है।

बहुत से लोगों की यह धारणा है कि, राजत्व के उद्भव से पहले इसका कोई विचार नहीं था और जब यह अस्तित्व में आया तो लोगों ने सोचा कि यह कुछ गलत है। वे मानते हैं कि यह कुछ ऐसा था जिसे उन्हें कभी नहीं माँगना चाहिए था। जब हम वहां पहुंचेंगे तो हम इस पर चर्चा करेंगे। मुझे लगता है कि मुद्दा यह है कि वे गलत कारणों से गलत तरह का राजा चाहते थे। लेकिन राजत्व अपने आप में एक ऐसी चीज़ है जो शुरू से ही अपने लोगों के लिए परमेश्वर की योजना में थी। तो यह बहुत सकारात्मक बात है. अब गलत प्रकार का राजा और गलत कारणों से वांछित होना कुछ और है और यही हम 1 सैमुअल में देखते हैं।

यह इसका पहला स्पष्ट संदर्भ है। हालाँकि यहाँ "राजा" शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है, "राजदंड" शाही अधिकार का प्रतीक है, जो यहाँ दिखाई देता है। जब तक आप इसे स्पष्ट रूप से नहीं कह सकते, आप उत्पत्ति 3:15 पर वापस जाएँ और देखें कि महिला साँप के सिर को कुचलने जा रही है। आप स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि शाही शक्ति का विचार उसी से विकसित हुआ, यह निश्चित रूप से स्पष्ट नहीं है। यह पहला स्पष्ट उल्लेख है.

जब तक "शिलो" नहीं आता (?) - जनरल 49:10) अगला वाक्यांश, मैं एनआईवी से पढ़ रहा हूं, किंग जेम्स यहां अलग हैं। दूसरा वाक्यांश- "यहूदा से राजदंड, और शासक की लाठी उसके पैरों के बीच से नहीं हटेगी।" किंग जेम्स कहते हैं, "न ही उनके पैरों के बीच से कोई कानून देने वाला," जिसका कोई खास मतलब नहीं है। समस्या यह है कि हिब्रू में यह वही शब्द है जिसका अनुवाद किसी भी तरह से किया जा सकता है। इस संदर्भ में इसे एनआईवी के तरीके से समझना सबसे अच्छा लगता है जो "एक शासक के पैरों के बीच से निकलने वाली छड़ी" है। जब तक कोई निश्चित चीज़ घटित नहीं हो जाती- और यहाँ फिर से आपके पास अनुवाद का अंतर है। किंग जेम्स में यह कहा गया है, "जब तक शीलो नहीं आता," यानी, "लोगों की सभा शीलो में होगी।" जबकि एनआईवी कहता है, "जब तक वह नहीं आ जाता जिसके पास यह है और राष्ट्रों की आज्ञाकारिता उसकी नहीं

है।" अब एनआईवी के पास एक नोट है जिसमें लिखा है, "या *जब तक शीलो नहीं आ जाता*; तब तक।" या *जब तक वह न आ जाए जिसका कर देना है*।"

अब उन अलग-अलग अनुवादों का कारण यह है कि, हिब्रू से अनुवाद करना एक बहुत ही कठिन वाक्यांश है। यदि आप केइल द्वारा उत्पत्ति में केइल और डेलित्ज़ की टिप्पणी को देखते हैं, तो वह इसे किंग जेम्स अनुवाद के रूप में लेते हैं, और इसका अनुवाद "शिलोह आने तक" के रूप में करते हैं। उन्होंने हिब्रू में इस शब्द की लंबी चर्चा की और निष्कर्ष निकाला कि यह मूल शालम से संबंधित है, *जिससे* संभवतः उन्होंने शहर का नाम शिलोह रखा। शीलो बाद में वह स्थान है जब इस्राएल उस भूमि में आया जहां सन्दूक स्थित था। संभवतः उसी मूल से शहर का नाम निकला है। मूल का अर्थ है "शांत रहना," "आराम से रहना," और "आराम का आनंद लेना।" शिलोह का विचार तब वह शहर है जहां शिलो में सन्दूक ने विश्राम किया था। लेकिन फिर कील का कहना है कि शीलो न केवल आराम की जगह को दर्शाता है, बल्कि वास्तव में आराम का वाहक, जो आराम देता है। और उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि शिलो को यहां एक नाम के रूप में समझा जाना चाहिए और यह वास्तव में एक मसीहा पदनाम है, जो आराम लाता है या सहन करता है। तो यह मसीहा की उपाधि है। वह उस संबंध में कहते हैं कि हम शीलो को पूरे यहूदी आराधनालय और पूरे ईसाई चर्च के समान मसीहा की उपाधि के रूप में मानते हैं, हालांकि शब्द की व्याकरणिक व्याख्या में अनिश्चितता हो सकती है, लेकिन इस पर पूर्ण सहमति है। तथ्य यह है कि कुलपिता यहाँ मसीहा के आने की घोषणा कर रहे हैं। तब आपके पास यह पढ़ने को होगा कि "जब तक शीलो नहीं आता तब तक यहूदा से राजदंड या उसके पैरों के बीच से व्यवस्था देनेवाले की लाठी नहीं छूटेगी" - मसीहा आता है।

ईज़ेक से इंटरटेक्स्टुअल कनेक्शन। 21:27 अन्य लोगों को हिब्रू अभिव्यक्ति को उचित नाम के रूप में लेने पर आपत्ति है। जो लोग इसका अनुवाद एनआईवी संस्करण के रूप में करते हैं, उन्होंने बताया है कि इसे उचित नाम या शीर्षक के रूप में लेने का उल्लेख सोलहवीं शताब्दी से पहले के किसी भी संस्करण में नहीं मिलता है। बाइबिल में कहीं भी मसीहा की उपाधि के रूप में शीलो का कोई अन्य संदर्भ नहीं है। यदि यह मसीहा के लिए शीर्षक है, तो यह एकमात्र स्थान है जहां इसका

उपयोग किया जाता है। संभवतः सबसे महत्वपूर्ण बात, यहेजकेल 21:27 के संदर्भ में, ऐसा लगता है कि इस मार्ग में एक भ्रम है। यहेजकेल 21 में आपके पास श्लोक 27 है, हालाँकि हिब्रू में यह श्लोक 32 है। लेकिन इस अध्याय में आपके पास यहूदा और यरूशलेम के बेबीलोनियों के हाथों आने वाले विनाश के बारे में एक भविष्यवाणी है। एनआईवी इसका शीर्षक देता है, "बेबीलोन, ईश्वर की न्याय की तलवार।" यदि आप दूसरे पद को देखें, " हे मनुष्य के सन्तान, अपना मुख यरूशलेम की ओर करके पवित्रस्थान के विरुद्ध प्रचार कर। इस्राएल के देश के विरूद्ध भविष्यद्वाणी करके कह, यहोवा यों कहता है, मैं तेरे विरूद्ध हूं। मैं अपनी तलवार म्यान से खींच लूंगा, और तुम में से धर्मी और दुष्ट दोनों को काट डालूंगा। क्योंकि मैं धर्मियों और दुष्टों को नाश करने पर हूं, मेरी तलवार दक्षिण से उत्तर तक सब पर म्यान में रखी रहेगी।" यदि आप श्लोक 7 में थोड़ा और नीचे जाएं तो यह कहता है, "यह आ रहा है!" यह अवश्य घटित होगा, प्रभु यहोवा की यही वाणी है।" फिर पद 10 में, "एक तलवार, एक तलवार, जो घात करने के लिये सान दी गई है, और चमकाई गई है, और बिजली की नाईं चमकने के लिये बनाई गई है!" फिर एक प्रश्न, "क्या हम अपने पुत्र यहूदा के राजदण्ड पर आनन्द मनाएँ? तलवार ऐसी हर लाठी का तिरस्कार करती है।" अब आप वहां यहूदा के राजदंड का संदर्भ देखते हैं। सिर्फ इसलिए कि यहूदा के पास यह राजदंड है, क्या यह आपको इस फैसले से बचाएगा? खैर, इस अध्याय में यह कथन है , "तलवार ऐसी हर छड़ी का तिरस्कार करती है।"

पद 13 में नीचे, "टी एस्टिंग निश्चित रूप से आएगी। और क्या होगा यदि यहूदा का राजदण्ड , जिसे तलवार तुच्छ जानती है, बना न रहे?' प्रभु यहोवा की यही वाणी है ।" फिर से आप देखें, यह उत्पत्ति 49:10 की ओर संकेत जैसा प्रतीत होता है जहां यह कहा गया है कि "राजदंड यहूदा से नहीं हटेगा।" जब आप अध्याय में आगे बढ़ते हैं, श्लोक 21 तक, " क्योंकि बाबुल का राजा शगुन लेने के लिए सड़क के दोराहे पर, दोनों सड़कों के जंक्शन पर रुकेगा।" यहां आपको ईश्वर की इच्छा निर्धारित करने के प्राचीन निकट पूर्वी तरीकों की जानकारी है। "वह तीरों से चिट्ठी डालेगा, वह अपनी मूरतों से सम्मति करेगा, वह कलेजे की जांच करेगा।" याद रखें, जिगर और उसके विन्यास का उपयोग ईश्वर की इच्छा निर्धारित करने के लिए किया जाता था। "उसके दाहिने हाथ में यरूशलेम की चिट्ठी आ जाएगी, जिस में वह युद्ध करनेवाले मेढ़े खड़े करेगा, वध करने का आदेश

देगा, युद्ध का बिगुल फूंकेगा, और फाटकों पर युद्ध करनेवाले मेढ़े खड़ा करेगा, इत्यादि। ”

अब आप आयत 24 का अंत पढ़ेंगे, इसमें कहा गया है, तुम बन्धुवाई में लिये जाओगे, वह यरूशलेम पर आक्रमण करनेवाला है। श्लोक 26- “प्रभु कहते हैं: पगड़ी उतारो, मुकुट उतारो। यह वैसा नहीं होगा जैसा कि था: जो नीच है उसे ऊँचा किया जाएगा और जो ऊँचा है वह नीचा किया जाएगा। एक खंडहर! एक खंडहर! मैं इसे खंडहर बना दूंगा! इसे पुनर्स्थापित नहीं किया जाएगा," और यहां उत्पत्ति 49:10 का संकेत है, "... जब तक वह नहीं आ जाता जिसके पास इसका अधिकार है; मैं उसे यह दे दूँगा। ” अब एनआईवी उत्पत्ति 49:10 का अनुवाद करता है कि "यहूदा से राजदंड नहीं छूटेगा, और न ही शासक की छड़ी उसके पैरों के बीच से तब तक छूटेगी जब तक कि वह जिसके पास है वह न आ जाए और राष्ट्रों की आज्ञाकारिता उसकी न हो जाए।" तो, यहेजकेल 21:27 का शब्दांकन उत्पत्ति 49:10 के शब्दों से भिन्न है, लेकिन अधिकांश आश्वस्त हैं कि यहेजकेल मार्ग में आपके पास जो कुछ है वह उत्पत्ति 49:10 में जो मिलता है उसका एक लंबा संस्करण है। .

यह हिब्रू शब्द है, क्योंकि आपमें से जिनके पास कोई हिब्रू भाषा है - *शीलो*। यदि आप इसे ब्राउन-ड्राइवर-ब्रिग्स हिब्रू लेक्सिकन में देखते हैं , तो आपको एक संज्ञा दिखाई देगी जो संभवतः *शेलू के बराबर होती है*, "वह जिसका है वह आता है" या "जो उसका है वह आता है" जो कि *आशेर* प्लस *लो का संयोजन है'. आशेर* "कौन सा" है और *लो'* "उसके लिए" है। “जो उसे है” इसी शब्द का संयुक्त रूप है। यह *'लो'* के साथ संयुक्त *आशेर* का संक्षिप्त रूप है । आप इसे यहां यहेजकेल 21:32 में देखें; आपके पास "जब तक... आता है... *आशेर लो'* " - जो उसके लिए है , जो उसके लिए उचित है।

मुझे एहसास है कि आपमें से अधिकांश लोगों ने हिब्रू भाषा नहीं सीखी है, लेकिन मैं बस आपको यह बताने की कोशिश कर रहा हूं कि इस अनुवाद से संबंधित समस्या की प्रकृति क्या है। मैं अपने बारे में सोचता हूं, मैं एनआईवी के साथ जाने और यह स्वीकार करने के लिए इच्छुक हूं कि ईजेकील पाठ उत्पत्ति 49:10 की शब्दावली के समानांतर और एक प्रकार का विस्तार है। यदि ऐसा मामला है, तो इसका मतलब यह होगा कि उत्पत्ति 49:10 में *शीलो* एक उचित नाम नहीं है, बल्कि यह "वह जिसका है" विचार है। चाहे आप इसका अनुवाद करें "शीलो आता है," या "जिसका यह है वह आता है," कथन के मसीहाई चरित्र के संबंध में कोई फर्क नहीं पड़ता। किसी भी स्थिति में आप

उस व्यक्ति की ओर इशारा कर रहे हैं जिसका राजदंड उचित रूप से है, चाहे आप उस व्यक्ति को शीलो कहें या "वह जिसका वह है।"

मेरेडिथ क्लाइन की टिप्पणी, *न्यू बाइबल कमेंटरी संशोधित संस्करण में,* उन्होंने इस कविता पर टिप्पणी की, "यहूदा शाही घराना बना रहेगा, जब तक कि वह जिसका यह है, अर्थात राजत्व का राजदंड, नहीं आ जाता।" इसलिए उत्पत्ति 49:10 छुटकारे के इतिहास के इस आंदोलन के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण कविता है क्योंकि यहां आपके पास न केवल इब्राहीम, इसहाक, याकूब से अब तक याकूब के भीतर, यहूदा के गोत्र के वादे को सीमित करना है, बल्कि आपके पास यह भी है वादे के इस प्रकटीकरण में राजसत्ता के इस विचार का परिचय। यहूदा से एक राजा उदय होने वाला है। कोई प्रश्न या टिप्पणी?

डेविडिक राजा और मसीह [पहले से ही लेकिन अभी तक नहीं]

मुझे लगता है कि विचार यह है कि यह एक सतत प्रक्रिया है, भले ही डेविड के सिंहासन पर बैठे किसी व्यक्ति के वास्तविक अस्तित्व में कुछ अंतराल हो सकते हैं, आप कह सकते हैं। निश्चित रूप से यह 586 ईसा पूर्व और ईसा मसीह के आगमन के बीच था। लेकिन ईसा मसीह के आगमन के साथ, यह सच है, कुछ लोग डेविडिक राजा की भूमिका निभाने और बहुत ही राजनीतिक तरीके से रोमनों को निष्कासित करने और अपना राज्य स्थापित करने के लिए उनकी तलाश कर रहे थे, जो उन्होंने राजनीतिक अर्थ में नहीं किया। . फिर भी वह निश्चित रूप से दाऊद के पुत्र के रूप में आया। मुझे ऐसा लगता है कि उन्होंने राज्य का उद्घाटन किया, कम से कम अस्थायी रूप से और आध्यात्मिक तरीके से। हम बाद में इसकी अधिक संपूर्ण, संपूर्ण अभिव्यक्ति देखेंगे।

लेकिन यह राज्य के संबंध में एक और मुद्दा उठाता है: क्या यह ईसा मसीह के पहले आगमन में किसी अर्थ में स्थापित किया गया था, या दूसरे आगमन में स्थापित होने की प्रतीक्षा कर रहा है । ऐसे लोग हैं जो कहते हैं कि यह प्रथम आगमन पर स्थापित किया गया था और शाश्वत अवस्था को छोड़कर इसका कोई पूर्ण एहसास भी नहीं देखते हैं। ऐसे अन्य लोग भी हैं जो कहते हैं कि यह उनके प्रथम आगमन पर स्थापित नहीं किया गया था और इसका हर पहलू अभी भी साकार होना बाकी है। मुझे ऐसा लगता है कि बाइबल इस पर बीच का रास्ता अपनाती है - यह एक अर्थ में

यहां है, लेकिन यह अभी भी दूसरे अर्थ में आ रही है। यह यहाँ है, लेकिन यह अपनी पूर्णता में नहीं है और पूर्णता का अभी तक एहसास नहीं हुआ है। लेकिन मुझे लगता है कि मुद्दे पर वापस आने के लिए, सवाल यह है कि, एक स्थायी राजवंश होने जा रहा है जो टिकेगा, यह वादा डेविड के वादे के साथ विस्तृत है, कि "आपका घर हमेशा के लिए चलेगा," डेविड को बताया गया है, कि वास्तव में एक ही विचार है.

शीलो व्यक्ति या स्थान हो सकता है, किसी भी ओर जा सकता है। न्यायाधीशों के समय में अपेक्षाकृत कम समय के लिए यह सन्दूक के स्थान के रूप में कार्य करता था और संभवतः पलिश्तियों द्वारा इसे नष्ट कर दिया गया था। सन्दूक वहाँ कभी नहीं लौटा। यहां तक कि शीलो का स्थान भी कुछ हद तक विवादित था। मुझे लगता है कि शायद यह कहना बेहतर होगा, "जब तक शीलो नहीं आता" या ईजेकील की उपमा पर, "जब तक वह नहीं आता जिसका अधिकार है" - "वह जो शीलो आता है" के बजाय उन दोनों में से एक।

जी जोसेफ 1. उत्पत्ति 37:2 - टोलेडोथ

ठीक है, जी. आपकी शीट पर "जोसेफ" है, और 1. उत्पत्ति 37:2 है। यह उत्पत्ति की पुस्तक में उन संरचनात्मक विभाजन बिंदुओं में से एक है, क्योंकि आपने देखा है कि उत्पत्ति 37:2 कहता है, "यह याकूब का विवरण है।" अब यह एनआईवी से है जो उस वाक्यांश की हिब्रू भाषा को कुछ हद तक अस्पष्ट करता है। राजा जेम्स कहते हैं, "ये याकूब की पीढ़ियाँ हैं।" याद रखें कि हमने उस वाक्यांश पर चर्चा की थी, और हिब्रू में यह *टोलेडोथ है*- "पीढ़ियाँ।" यह जो कह रहा है वह यह है: यहां एक नया खंड है और विचार यह है कि जो अनुसरण करना है वह यह है कि जैकब से क्या निकलने वाला है। आपके पास एक नई अवधि की शुरुआत है, जिसमें आप चुनी हुई रेखा का लोगों या राष्ट्र में विस्तार पाते हैं। क्योंकि इस बिंदु से ध्यान केवल जैकब पर नहीं है, निश्चित रूप से केवल उनके व्यक्तिगत अनुभवों पर नहीं है, भले ही वे इसमें शामिल हों, बल्कि उन घटनाओं पर भी है जो इज़राइल के लोगों या राष्ट्र के गठन के लिए तैयार हुईं। निःसंदेह, इसमें यूसुफ को उसके भाइयों द्वारा मिस्र में बेच दिया जाना, अकाल उत्पन्न होना, और अंततः पूरे परिवार को मिस्र में संरक्षित भोजन के साथ जाना पड़ा , जो वहां अलग रखा गया था। निःसंदेह, यही वह साधन है जिसके द्वारा

इस्राएल और याकूब का परिवार मिस्र में चले गए जहां वे एक राष्ट्र बन गए। वे 430 वर्ष मिस्र में बिताते हैं।

2. जोसेफ के जीवन की घटनाएँ ठीक है, 2. "यूसुफ के जीवन की घटनाएँ" है। मैंने इसे आपके रूपरेखा पत्रक में रेखांकित किया है। मैं इस अध्याय-दर-अध्याय पर नहीं, बल्कि उनके कुछ बिंदुओं पर कुछ टिप्पणियाँ करने जा रहा हूँ। शुल्ट्ज़ के पास पृष्ठ 37 पर जोसेफ के जीवन की घटनाओं का सारांश है, जिसमें उत्पत्ति 37 से 50 तक की चर्चा है। मैं सिर्फ यह कह सकता हूं कि जोसेफ की कथाएं सभी साहित्य में सबसे नाटकीय हैं। अब मुझे लगता है कि जहां तक मुक्तिदायक इतिहास का सवाल है, यहां कुछ महत्वपूर्ण घटित हो रहा है, लेकिन इसके अलावा भी, जो लोग इन आख्यानों को सिर्फ उनके साहित्यिक कलात्मक मूल्य के दृष्टिकोण से देखते हैं, वे हमें बताते हैं कि ये कुछ बेहतरीन आख्यान कहानियां हैं आप सभी साहित्य में पाएंगे। निःसंदेह, वहाँ बहुत सारा नाटक है, यूसुफ को उसके भाइयों ने बेच दिया है, उसे अन्यायपूर्वक जेल में डाल दिया गया है, वह एक बटलर और एक बेकर और फिर फिरौन के सपनों की व्याख्या करता है। वह मिस्र में शासक बन गया। फिर आपके भाई अंदर आते हैं और भाइयों के बीच आदान-प्रदान होता है। जोसेफ अंततः खुद को प्रकट करता है कि वह कौन है।

तो आप अपनी चादरों पर ध्यान दें, 37- उसे मिस्र ले जाया गया है। फिर अध्याय 39-41: गुलाम से शासक तक, उसकी कैद, सपनों की व्याख्या। जेल में उसकी मुलाकात फिरौन के पिलानेहारे और फिरौन के पकानेहारे से होती है। उनके कुछ सपने थे और वह उन्हें बताता है कि पिलानेहारे को उसके पद पर बहाल किया जाएगा और बेकर को मार दिया जाएगा और वास्तव में ऐसा ही होता है। उस ने पिलानेहारे से कहा, जब तू चंगा हो जाए, तब मुझे स्मरण करना, और मेरे लिये फिरौन से कहना। पिलानेहारा पूरी तरह भूल गया। दो साल बाद फिरौन ने एक सपना देखा और फिर उसे याद आया, ओह, वहाँ जेल में एक आदमी था जो सपनों की व्याख्या करना जानता था। तब यूसुफ को फिरौन के पास बुलाया गया, और सात मोटी गायों, और सात दुबली गायों, और सूखे अन्न, और अच्छे अन्न, और समृद्धि और बहुतायत के सात वर्षों, और अकाल के सात वर्षों के स्वप्न का अर्थ बताया। वह फिरौन से कहता है कि तुम्हें वास्तव में प्रचुरता के सात वर्षों के दौरान

आगे की योजना बनाने की आवश्यकता है। फिरौन ऐसा करने के लिए किसी की तलाश करता है और वह फिर से यूसुफ के पास जाता है।

यहाँ दूसरी तरफ से एक सबक है, निःसंदेह, इस सब में ईश्वर की कृपा है। लेकिन उन चीज़ों को भूलने का मामला जो अन्य लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं- यह करना बहुत आसान बात है। कोई छोटी सी चीज़ जो आप कर सकते हैं वह किसी और के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी, उसे पूरी तरह से भूल जाना और उसे गंभीरता से न लेना बहुत आसान है। आपके लिए कोई परिणाम नहीं हैं, लेकिन जो भूल गया है उसके लिए बड़े परिणाम हैं।

सी। जोसेफ की अपने भाइयों के साथ मुठभेड़ - जनरल 42-45 ए ठीक है, सी. "जोसेफ की अपने भाइयों के साथ मुठभेड़, उत्पत्ति 42-45" है। मिस्र की पहली यात्रा बेंजामिन के बिना है। याद रखें बिन्यामीन राहेल का दूसरा पुत्र था। राहेल पसंदीदा पत्नी थी और जोसेफ लंबे समय तक बंजर रहने के बाद पहला बेटा था। अंत में, जोसेफ का जन्म हुआ, जैकब ने जोसेफ को खो दिया, और फिर बेंजामिन का जन्म हुआ, और प्रसव के दौरान राहेल की मृत्यु हो गई। इसके बाद बेंजामिन पिता के चहेते बन गए। सो जब ये दूसरे भाई मिस्र को चले गए, तब बिन्यामीन याकूब के पास रह गया, और न गया। लेकिन शिमोन को यूसुफ ने हिरासत में लिया है क्योंकि उसने पूछताछ की थी और बिन्यामीन के बारे में पता लगाया था, और वह कहता है, जिस तरह से आप मुझे दिखा सकते हैं कि आप वास्तव में जासूस नहीं हैं, आप वापस जाएं और बिन्यामीन को पकड़ें और उसे अपने साथ वापस लाएं। जब भाई वापस जाते हैं और जैकब को इसकी सूचना देते हैं, तो जैकब के लिए यह कहना बहुत मुश्किल होता है कि बिन्यामीन जा सकता है। वह अंततः इसके लिए सहमत हो जाता है। दूसरी यात्रा में, यहूदा बेंजामिन के लिए आश्वासन बन जाता है और अंततः जोसेफ खुद को पहचान लेता है।

तब इस्राएल की सन्तान मिस्र में बस गईं। गोशेन उन्हें रहने के स्थान के रूप में दिया गया है, फिर आपके पास याकूब का आशीर्वाद है, याकूब की मृत्यु और कनान में दफन, जहां वे उसे दफनाने के लिए कनान देश में वापस ले जाते हैं। अब यह इन आख्यानों के प्रवाह का एक संक्षिप्त सारांश मात्र है। मैं मुक्तिबोध इतिहास के संदर्भ में इन घटनाओं के महत्व के बारे में कुछ कहना

चाहता हूं और हम पीछे जाकर इसके कुछ हिस्सों पर नजर डालेंगे।

जोसेफ के परिवार के सपने

एक प्रतीकात्मक व्याख्या यह है कि जोसेफ लगभग पापरहित व्यक्ति है, जो मसीह की ओर इशारा करता है। जोसेफ और क्राइस्ट के बीच कुछ विशिष्ट संबंध हो सकते हैं लेकिन मुझे लगता है कि आपको इस बात से सावधान रहना होगा कि आप इसके साथ कितनी दूर तक जाते हैं। उत्पत्ति 37:2 में, शायद यह जोसेफ पर एक अलग प्रकाश डालता है, लेकिन शायद ज्यादा नहीं, इसमें लिखा है, "यूसुफ, सत्रह साल का एक जवान आदमी, अपने भाइयों के साथ भेड़-बकरियों की देखभाल कर रहा था। उसने उनके पिता को उनके बारे में बुरी खबर दी," उनके भाई। अब यहाँ आपका एक भाई बुरी सूचना, किसी प्रकार की छींटाकशी या बातचीत लेकर वापस आ रहा है। फिर जब आप श्लोक 5 में जाते हैं तो आप पढ़ते हैं, " यूसुफ ने एक स्वप्न देखा, और जब उस ने यह अपने भाइयों से कहा, तो वे उस से और भी अधिक बैर करने लगे। उस ने उन से कहा, मेरा यह स्वप्न सुनो, कि हम मैदान में अनाज के पूले बान्ध रहे थे, कि अचानक मेरा पूला उठकर सीधा खड़ा हो गया, और तुम्हारे पूले मेरे पूलों के चारों ओर इकट्ठे होकर उसकी ओर झुक गए। उसके भाइयों ने उस से कहा, क्या तू हम पर राज्य करना चाहता है? क्या आप वास्तव में हम पर शासन करेंगे?" बेशक, इसमें विडंबना है क्योंकि कहानी में बाद में वे झुक जाते हैं। " और उसके स्वप्न और उस ने जो कुछ कहा था, उसके कारण वे उससे और भी अधिक बैर करने लगे।

फिर उस ने दूसरा स्वप्न देखा, और उस ने उसके विषय में अपके भाइयोंको बताया। "सुनो,' उसने कहा, 'मैंने एक और स्वप्न देखा, और इस बार सूर्य, चंद्रमा और ग्यारह तारे मेरी ओर झुक रहे थे।' जब उस ने यह बात अपने पिता और भाइयों को बताई, तो उसके पिता ने उसे डांटा और कहा, तू ने यह कैसा स्वप्न देखा है? क्या तेरी माता, मैं और तेरे भाई सचमुच आकर तेरे साम्हने भूमि पर गिरकर दण्डवत् करेंगे?' उसके भाई उससे ईर्ष्या करते थे, लेकिन उसके पिता ने इस बात को मन में रखा ।" इन सबके माध्यम से मुझे ऐसा लगता है कि उसका रवैया अपने भाइयों के प्रति बहुत सख्त रवैया अपनाने वाला है। अब सच है, मुझे लगता है कि भगवान उसे सपने में कुछ बता रहे थे

जो बाद में पूरा होने वाला था, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि जिस तरह से उसने अपने भाइयों से इन चीजों के बारे में बात की, उसका रवैया वैसा नहीं था जैसा हो सकता था। और पिता.

एनटी जोसेफ को मसीह के एक प्रकार के रूप में उल्लेख नहीं करता है, इसलिए मुझे लगता है कि जोसेफ अन्य सभी पुरुषों की तरह एक व्यक्ति था, जिसमें उसके अच्छे और बुरे लक्षण थे। मुझे लगता है कि उनके जीवन के कुछ ऐसे पहलू हैं जिनका प्रतीकात्मक महत्व हो सकता है। जिस व्यक्ति के साथ मैंने हॉलैंड में अध्ययन किया, वह एनएच रिडरबोस है , मुझे लगता है कि मैंने पहले इसका उल्लेख किया था। हरमन रिडरबोस ने *द कमिंग ऑफ द किंगडम* और *पॉल: एन आउटलाइन ऑफ हिज थियोलॉजी* लिखी । एनएच रिडरबोस पुराने नियम के विद्वान थे और एनएच और हरमन भाई थे। उसके बाद पिता जे. रिडरबोस थे जो पुराने नियम के विद्वान भी थे। वह दो बेटों के पिता थे, दोनों मदरसा में पढ़ाते थे। एनएच ओल्ड टेस्टामेंट में फ्री एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे, जिनके अधीन मैंने अध्ययन किया था। उन्होंने कहा कि नए नियम में जोसेफ को एक प्रकार के रूप में संदर्भित नहीं किया गया है - यह एक चेतावनी है। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि जोसेफ की कहानी में अपमान और बाद में उच्चीकरण का विषय मसीह के व्यक्तित्व में एक उच्च अहसास पाता है। यूसुफ मसीह के रूप में परमेश्वर के लोगों को विनाश से बचाता है। लेकिन फिर वह कहते हैं, सीमाएं हैं। कुछ उपचार विस्तृत पत्राचार खोजने में रूपक की सीमा पर लगते हैं और यहीं पर वह पीछे हट जाते हैं और मुझे लगता है कि ऐसा करना एक स्वस्थ बात है।

3. मोचन इतिहास के संदर्भ में इन घटनाओं का महत्व जोसेफ अस्थायी रूप से प्रमुख हो गया, हालांकि यहूदा वादा किया हुआ बीज है और नंबर 3 पर है। "मुक्ति इतिहास के संदर्भ में इन घटनाओं का महत्व।" मैं यहां केवल दो बातें कहना चाहता हूं। वह पहला यह है कि, यूसुफ अस्थायी रूप से प्रमुख हो जाता है, हालाँकि यहूदा वादा किया हुआ वंश है। अब इन कहानियों में ऐसा प्रतीत होता है कि लिआ और रेचेल के बीच तनाव उनके बच्चों में भी जारी है, क्योंकि लिआ के पहले चार पुत्र रूबेन, शिमोन, लेवी और यहूदा राहेल के पुत्र को मिद्यानी व्यापारियों के हाथ बेचने में लगे हुए हैं, जिससे वह मिस्र चला जाता है। हालाँकि, अब यह सच है कि यहूदा ही वह है जो उत्पत्ति 37:27

में यूसुफ को मारने के बजाय उसे बेचने का प्रस्ताव करता है, "आओ, हम उसे इश्माएलियों के हाथ बेच दें, और उस पर हाथ न डालें, आख़िर वह हमारा भाई है।" हमारा अपना मांस और खून।" ऐसा प्रतीत होता है कि रूबेन वास्तव में उसे मुक्त करना चाहता था, क्योंकि श्लोक 21 में, "जब रूबेन ने यह सुना तो उसने उसे उनके हाथों से बचाने की कोशिश की, 'आइए हम उसकी जान न लें,' उसने कहा।" फिर, "'उसे रेगिस्तान में इस हौद में फेंक दो, लेकिन उस पर हाथ मत उठाना।' रूबेन ने उसे बचाने और उसे उसके पिता के पास वापस ले जाने के लिए यह कहा।" परन्तु जब वह वापस आया, श्लोक 29, तो उसने देखा कि यूसुफ वहाँ नहीं है और उसने अपने कपड़े फाड़े और अपने भाइयों के पास वापस गया और अपने भाइयों से पूछा , "अब मैं कहाँ जा सकता हूँ?" तो ऐसा प्रतीत होता है कि रूबेन वास्तव में उसका बहुत अधिक हिस्सा नहीं था। लेकिन किसी भी मामले में ऐसा लगता है कि बच्चों में यह संघर्ष कुछ हद तक जारी है।

उत्पत्ति 38 यहूदा और तामार - पेरेज़ इसके अलावा, अगले अध्याय, अध्याय 38 में यहूदा का आचरण, जो जोसेफ के बारे में कथाओं के इस क्रम में एक कोष्ठक की तरह है, वह चरित्र नहीं है जिसकी आप अपेक्षा कर सकते हैं, उस व्यक्ति से जिसके माध्यम से वह वादा किया गया सिलसिला जारी रहेगा, क्योंकि अध्याय 38 तामार के साथ यहूदा के रिश्ते के बारे में बताता है, जो यहूदा के बेटे की पूर्व पत्नी थी। उसका पति, यहूदा का बेटा, मर गया और एक निश्चित समय पर उसका कोई दूसरा पति नहीं था और यहूदा का दूसरा बेटा उसके संबंध में उस लेविराइट दायित्व को निभाने के लिए तैयार नहीं था। यहूदा सड़क पर है और उसे देखता है, गलती से उसे वेश्या समझ लेता है और उसके साथ यौन संबंध बनाता है, जिससे बच्चे पैदा होते हैं। आप श्लोक 16 में पढ़ते हैं, "यह न जानते हुए कि वह उसकी बहू है, वह सड़क के किनारे उसके पास गया और कहा, 'अब आओ, मुझे अपने साथ सोने दो।'" श्लोक 24, "तीन महीने बाद यहूदा बताया गया, 'आपकी बहू तमर वेश्यावृत्ति की दोषी है और परिणामस्वरूप वह अब गर्भवती है।' यहूदा ने कहा, 'उसे बाहर ले आओ और उसे जलाकर मार डालो!' जब उसे बाहर लाया जा रहा था तो उसने अपने ससुर को एक संदेश भेजा। 'मैं उस आदमी से गर्भवती हूं जिसके पास ये हैं,' उसने कहा, 'देखो, क्या तुम पहचानती हो कि ये किसकी मुहर, डोरी और लाठी हैं।' यहूदा ने उन्हें पहचान लिया और कहा, 'वह मुझ से

अधिक धर्मी है, क्योंकि मैं उसे अपने पुत्र शेला को न दूंगा।' और वह फिर उसके साथ नहीं सोया।" |

पेरेज़ और मसीह की पंक्ति जब तक बच्चे पैदा नहीं होते और आप अध्याय 38, श्लोक 29 में पढ़ते हैं, "परन्तु जब उस ने अपना हाथ पीछे खींच लिया, तब उसका भाई बाहर आया, और उस ने कहा, 'तो तू इस प्रकार फूट पड़ा है!' और उसका नाम पेरेज़ रखा गया। तब उसका भाई, जिसकी कलाई पर लाल सूत बंधा हुआ था, बाहर आया और उसका नाम जेरह रखा गया।" दिलचस्प बात यह है कि पेरेज़ यहूदा से ईसा मसीह तक की कड़ी बन जाता है। यदि आप रूत 4:18-22 को देखें, तो रूत की पुस्तक के अंत में, आप पढ़ते हैं, " तब, पेरेज़ की वंशावली यह है: पेरेज़ हेस्रोन का पिता था , हेस्रोन राम का पिता था, राम द अम्मीनादाब का पिता , अम्मीनादाब नहशोन का पिता, नहशोन सलमोन का पिता, सलमोन बोअज़ का पिता, बोअज़ ओबेद का पिता, ओबेद यिशै का पिता, और यिशै दाऊद का पिता। " तो डेविड की पंक्ति में आपको पेरेज़ मिलता है। मैथ्यू अध्याय 1 में जहां आपके पास ईसा मसीह की वंशावली है, श्लोक 3, " यहूदा पेरेस और ज़ेरह का पिता था, जिसकी माँ तामार थी ।" इसलिए यह उस तरह का आचरण नहीं है जिसकी आप अपेक्षा कर सकते हैं, लेकिन हमने ऐसा कई बार देखा है। ईश्वर मनुष्य के पापपूर्ण कृत्यों के बावजूद अपने मुक्तिदायक उद्देश्यों को पूरा करता है। इस दौरान जोसेफ प्रमुख हैं. उसे उसके भाइयों ने बेच दिया है, लेकिन वह अंततः इस्राएल के बच्चों को संरक्षित करने और उन्हें फिर से एक साथ लाने का काम करता है।

मैं देख रहा हूं कि मेरा समय करीब आ गया है। हमें यहीं रुकना होगा. मैं अगली तिमाही में इस बिंदु पर विचार करूंगा- "मुक्ति इतिहास के संदर्भ में इन घटनाओं का महत्व।" हमने एक बिंदु पर ध्यान दिया है: जोसेफ अस्थायी रूप से प्रमुख बन जाता है, हालाँकि यहूदा वह है जो वादे और भविष्यवाणी को पूरा करेगा।

कॉनर ग्रेफ़ और टेड हिल्डेब्रांट ट्रांसक्रिप्शन
टेड हिल्डेब्रान द्वारा रफ संपादन
चेल्सी कप्स द्वारा अंतिम संपादन
टेड हिल्डेब्रांट द्वारा पुनः सुनाया गया